प्रदेश में अनाथ बच्चों के लिये बनेगा देश का पहला सरकारी मदर मिल्क बैंक

चर्चा में क्यों?

27 फरवरी, 2023 को उत्तराखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने अमर उजाला के इमर्जिंग लीडर्स ऑफ गढ़वाल कार्यक्रम में प्रदेश में अनाथ बच्चों के लिये देश के पहले सरकारी मदर मिल्क बैंक बनाए जाने की घोषणा की।

प्रमुख बिंदु

- स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि योजना के तहत धात्री महिलाएँ इस बैंक में दूध दान कर सकेंगी। शुरुआत में राज्य में ऐसा एक बैंक बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश में यह अपनी तरह का पहला और अलग मिल्क बैंक होगा।
- इस मिल्क बैंक के माध्यम से उन नवजात शिशुओं को दूध उपलब्ध कराया जाएगा, जिनकी माता की प्रसव के दौरान ही मृत्यु हो जाती है।
- डॉ. रावत ने कहा कि प्रदेश में शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिये सरकार गर्भवती महिलाओं की संस्थागत डिलीवरी पर फोकस कर रही है। सरकार के प्रयास से जहाँ शिशु मृत्यु दर में उत्तराखंड का देशभर में 32वाँ स्थान था, वहीं आज घटकर 26वाँ स्थान हो गया है। इसे और कम करने के प्रयास जारी हैं।
- सरकार ने गर्भवतियों को निशुल्क अस्पताल लाने-ले जाने की व्यवस्था की है। ऐंजा बोई योजना भी चलाई जा रही है, जिसके तहत गर्भवती महिलाओं को दो हजार रुपए दिए जाते हैं। 1500 रुपए माताओं के खाने के लिये और पाँच सौ रुपए बच्चे के नामकरण के लिये दिये जा रहे हैं।
- उन्होंने बताया कि शिशु-माता मृत्युदर कम करने के लिये सरकार की ओर से एक और योजना बनाई जा रही है। इसके तहत गर्भवती महिलाओं को 15 दिन पहले होम स्टे में रखा जाएगा। इसके लिये होटल, अस्पताल आदि में व्यवस्था की जाएगी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/country-s-first-government-mother-milk-bank-will-be-made-for-orphan-children-in-the-state